

चिकित्सा शिक्षा में शोध छात्रों के लिए पुस्तकालय ज्ञान का भण्डार : स्वर्णकार

‘रामला 2018’ में जुटे देश के मेडिकल कॉलेज के लाइब्रेरियन

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। शहर के सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी अस्पताल एवं राजस्थान मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर की सेमीनार रामला 2018 का आयोजन किया गया। पुस्तकालय में आने वाली चुनौती एवं अवसर विषय पर आयोजित सेमीनार को मुख्य अतिथि बतौर सम्बोधित करते हुए अस्पताल के चेयरपर्सन डॉ. एम.एल. स्वर्णकार ने कहा कि पुस्तकें चिकित्सा शिक्षा के छात्रों का मार्ग दर्शन ही नहीं करती बल्कि उनका शोधकार्य पूर्ण करने में भी सहायक है। ज्ञान की अभिवृद्धि का माध्यम है।

सेमीनार के उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि एसएमएस के पुस्तकालय निदेशक पीआर मीना, दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र राजस्थान विश्व विद्यालय के फॉर्मर निदेशक डॉ. किरोडी सिंह, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के मुख्य सलाहकार प्रो. डॉ. हरि गौतम, प्रो. वाइस चांसलर डॉ. सुधीर सचदेव, प्राचार्य डॉ. जीएन सक्सेना थे। अध्यक्षता आईएलए के अध्यक्ष डॉ.



कोटिल्य शुक्ला ने की। डॉ. जी एन सक्सेना ने कहा कि यूनिवर्सिटी के 'डॉ. के डी गुप्ता नॉलेज एवं रिसोर्स सेन्टर' में 14 हजार से अधिक पुस्तकें हैं जो कि शोधार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होती हैं। डॉ. हरि गौतम ने कहा आधुनिक टेक्नोलॉजी के युग में डिजिटल एवं वर्चुअल लाइब्रेरी का क्षेत्र विस्तृत और व्यापक है।

प्रो. सुधीर सचदेव ने कहा कि शोधार्थी तक सही जानकारी उपलब्ध कराने का सबसे बड़ा दायित्व लाइब्रेरियन का होता है। लाइब्रेरियन एक गाइड का कार्य भी करता है।

सेमीनार का आयोजन तीन सत्रों में किया गया। इस अवसर वर्द्धमान महावीर विश्व विद्यालय के प्रो. डॉ. दिनेश गुप्ता ने कहा कि ज्ञान जगत में चिकित्सकों के लिए उपयोगी एवं उच्च सूचनाओं का विश्लेषण किस प्रकार किया जाए उसकी विस्तार से जानकारी दी। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रोशन लाल रैना ने पुस्तकालय के बदलते स्वरूप के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. संजय कटारिया, डॉ. शिवा चिदम्बरम, डॉ. रवि जानी, डॉ. विजय कुमार एम, डॉ. पवन कुमार गुप्ता ने अपने अनुभव शेयर किए।